Nai Dunia (Indore), 3rd October 2020, Page-6

अब प्राचीन भारतीय भाषाओं पर काम करेगा आइआइटी इंदौर

संस्कृत भाषा कोर्स के समापन पर संस्थान के निदेशक ने कहा

इंदौर (नईदुनिया प्रतिनिधि)। शास्त्रीय वैज्ञानिक ग्रंथों को संस्कृत में समझाने का पाठ्यक्रम काफी रोचक और सभी के लिए फायदेमंद रहा। संस्कृत में तकनीकी साहित्य का भी अध्ययन करना चाहिए। यह कहना है आइआइटी इंदौर के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के चेयरमैन प्रो. दीपक बी. फाटक का।

आइआइटी इंदौर में 22 अगस्त से संचालित हो रहे संस्कृत भाषा के शॉर्ट टर्म कोर्स का शुक्रवार को समापन हुआ। संस्कृत कोर्स को संस्थान ने दो भागों में विभाजित किया था। पहले भाग में संस्कृत सिखाने के साथ प्रतिभागियों में कौशल और आत्मविश्वास विकसित करना था। दूसरे भाग में संस्कृत में तकनीकी विषयों पर चर्चा करने के लिए सक्षम बनाना था। संस्थान के निदेशक प्रोफेसर नीलेश कुमार जैन ने कहा आगे भी कई पाठ्यक्रमों की श्रंखला आयोजित करेंगे। इसके तहत आइआइटी इंदौर प्राचीन भारतीय भाषाओं को लेकर भी काम करेगा।

ग्रामीणों की कलाओं को प्रदर्शित किया गया

संस्थान में महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री जयंती मनाई गई। आत्मनिर्भर भारत के तहत ग्रामीण विकास केंद्र के साथ मिलकर सिमरोल चोरल क्षेत्र के स्थानीय आदिवासी ग्रामीणों द्वारा हाथ से बनाई जाने वाली कलाओं को प्रदर्शित किया गया। दो नई इमारतों का भी उद्घाटन भी किया गया।